युवक-युवती के शव पेड़ से लटके मिले, प्रेम प्रसंग की आशंका

चौमूं /कालाडेरा (निंस)। चौमूं उपखण्ड के गोविन्दगढ़ थाना क्षेत्र के धोबलाई गांव स्थित नदी क्षेत्र में बुधवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक और एक युवती के शव पेड से लटके हुए मिले। दोनों शव एक ही पेड़ पर रस्सियों के सहारे लटके पाए गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

सूचना पर गोविन्दगढ थानाधिकारी विनोद सांखला मय पुलिस जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर अहम साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चौमूं सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस जांच में मृतकों की पहचान नरेन्द्र और नीलम उर्फ नीलू के रूप में हुई है। प्राथमिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। गोविन्दगढ डीवाईएसपी राजेश जांगिड ने बताया कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसके आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक नरेन्द्र के खिलाफ पूर्व में पोक्सो एक्ट का मामला दर्ज रह चुका था, जिसमें वह जेल भी जा चुका है। इस तथ्य को भी जांच के दायरे में शामिल किया गया है। फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और आत्महत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और एफएसएल जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

चौमूं उपखण्ड के गोविन्दगढ़ थाना क्षेत्र के धोबलाई गांव स्थित नदी क्षेत्र में युवक-युवती के पेड़ पर लटके मिलने से सनसनी फैल गई।

- **पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चौमूं सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया**

'अलवर ई-विद्या' पोर्टल लॉन्च

अलवर । जिले में शैक्षिणक ढाँचे को मजबूत बनाने और सरकारी विद्यालयों में डिजिटल पहुँच को बेहतर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला प्रशासन ने 'अलवर ई-विद्या परियोजना' की प्रगति की निगरानी के लिए ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि यह पोर्टल जिले के 291 पीईईओ विद्यालयों में हो रहे कार्यों की पारदर्शी, वास्तविक-समय आधारित मॉनिटरिंग के लिए तैयार किया गया है। पोर्टल का विकास राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं फुलब्राइट फेलो मोहम्मद इमरान खान द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि इस नई वेबसाइट पर परियोजना से जुड़े प्रमुख घटकों-कार्यरत कंप्यूटर लैब, ग्रीन कैम्पस, वर्षा जल संचयन प्रणाली तथा बिल्डिंग ऐज ए लर्निंग एड की प्रगति को आकर्षक आँकडों व दृश्य प्रस्तुति के साथ दर्शाया गया है। पोर्टल पर हाल ही में प्रकाशित सफलता की कहानियाँ, साझेदार संस्थाओं की जानकारी और डिजिटल लाइब्रेरी की स्थिति भी रियल-टाइम में उपलब्ध है।

बालोतरा में जुटेंगे देश भर के वकील

जालोर, (का.सं.)। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन अधिवेशन 26 से 28 दिसम्बर तक बालोतरा-नाकोडा में आयोजित होगा। इसमें देश के सभी राज्यों से 4000 से अधिक अधिवक्ता हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट एवं देश के विभिन्न हाईकोर्ट के न्यायाधीश भी शिरकत करेंगे।

अधिवक्ता परिषद् के प्रांत अध्यक्ष सुनील जोशी ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन समारोह 26 दिसम्बर को दोपहर 2.30 बजे से आयोजित होगा। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों सहित कानून जगत से जुड़ी कई हस्तियां मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम का समापन समारोह 28 दिसम्बर को दोपहर 1.30 बजे से होगा। तीन दिवसीय अधिवेशन में विभिन्न कानूनी विषयों पर विस्तार से मंथन किया जाएगा। साथ ही परिषद् की आगामी वर्षों की गतिविधियों तथा आयोजनों की रूपरेखा भी तय होगी।

परिषद् के प्रांत महामंत्री श्याम पालीवाल ने बताया कि राजस्थान में पहली बार अधिवक्ता परिषद् का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जा रहा है। इसकी मेजबानी जोधपुर प्रांत कर रहा है। जोधपुर प्रांत में जोधपुर सहित पाली, जालोर, सिरोही, बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा, नागौर, फलोदी, डीडवाना, बीकानेर, श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिले सम्मिलित हैं। आयोजन को लेकर पूरे प्रांत के अधिवक्ता कार्यकर्ता बालोतरा में एकत्र हो चुके हैं। अधिवक्ता परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन की इस बार की थीम भारतीय संविधान के 75 वर्ष रू सामाजिक समरसता रहेगी। अधिवेशन के सभी सत्रों में संविधान एवं सामाजिक समरसता से जुड़े कानूनी विषयों पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय अधिवेशन को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त रखने का लक्ष्य तय किया गया है। नाकोड़ा रोड स्थित अधिवेशन स्थल (रिसोर्ट्स) में प्लास्टिक सामग्री का प्रयोग कम से कम किया जाएगा। अधिवेशन स्थल में आवागमन के लिए 25 ई-रिक्शा लगाए गए हैं।

वाजपेयी को श्रद्धासुमन अर्पित

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती (25 दिसम्बर) पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये है। राज्यपाल ने स्व. वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि स्व. वाजपेयी भारत में सुशासन की परंपरा के संवाहक रहे हैं। उन्होंने स्व. वाजपेयी के शुचिता से जुड़े राजनीतिक मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए उनके दिए आदर्श अपनाने का आव्हान किया है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने स्वस्थ संसदीय परंपराओं के साथ जन हित से जुड़ी सोच को आगे बढ़ाया।

जंगल में नील गाय को गोली मारी

उदयपुर। सलूंबर जिले में वन्यजीव नील गाय (रोजडा) का शिकार करने वाले 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनसे शिकार के उपयोग में ली 2 टोपीदार बंदूकए छर्रे और 4 चाकू बरामद किए हैं। आरोपी जंगल में नील गाय को गोली मारकर उसे धारदार चाकू से काट रहे थे। तभी गांव के कुछ युवकों ने पीछा करते हुए उन्हें देखा था तो वे फरार हो गए थे।सलूंबर जिले के झल्लारा थाना क्षेत्र में 21 दिसंबर को घटना हुई थी।

थानाधिकारी जय किशन ने बताया. पुलिस ने आरोपी शहीद मोहम्मद पिता नजीर मोहम्मद, शोएब पिता शहीद मोहम्मद,शाहरुख पिता शहीद मोहम्मद,फारुख पिता फकीर मोहम्मद,छोटू पिता इस्माइल खां और आसिफ पिता जाकिर खान को मंगलवार देर शाम गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी जय किशन ने बताया. प्रार्थी ऋतुराजसिंह निवासी सीकर हाल झल्लारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि 21 दिसंबर को उसने और उसके साथियों ने शिकारियों को देखा था। तीन-चार बाइक पर दो.दो आरोपी बैठकर बांदरवाडा गांव जा रहे थे।उनके हाथ में दो बंदूक,एक धारदार हथियार था। प्रार्थी ने उनमें से एक आरोपी शाहरुख खान को पहचान लिया था। शाहरुख बाइक रिपेयरिंग की दुकान करता है। उसके साथ उसके पिता शहीद मोहम्मद, भाई शोएब और फारुख आदि थे। प्रार्थी ऋतुराजसिंह ने बताया कि मैंने और मेरे साथी मोहित टेलर, संदीप, धीरज पटेल, रवि पटेल आदि ने बदमाशों का पीछा किया। तब ये बाइक की स्पीड तेज करते हुए करमल माताजी मंदिर के पास जंगल में चले गए। कुछ देर बाद गोली चलने की आवाज सुनाई दी।सभी साथी उस तरफ गए तो देखा आरोपियों ने एक नील गाय को मार दिया था।

जयपुर में पहली बार सजेगा 'व्यंग्य विहास'

जयपुर। राजस्थान साहित्य अकादमी हिंदी गद्य की वाचिक परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार के उद्देश्य से जयपुर में अखिल भारतीय हास्य-व्यंग्य उत्सव 'व्यंग्य विहास' का आयोजन 25 दिसंबर को सायं 5.30 बजे विधान सभा के पास स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, जयपुर में आयोजित होगा। उत्सव में देश के छह प्रमुख व्यंग्यकार अपनी विशिष्ट गद्य शैली में रचित व्यंग्य रचनाओं का पाठ करेंगे। जयपुर में व्यंग्य की गद्य परंपरा पर केंद्रित यह अपनी तरह का पहला आयोजन होगा।

'अच्छी फसल के लिए मिट्टी पोषण को बनाए रखें'

भीलवाड़ा। हिन्दुस्तान जिंक एवं बायफ संस्था के संयुक्त तत्वावधान में समाधान परियोजना एवं तांबावती नगरी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी द्वारा किसान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अथिति आरएस अधिकारी, कृषि मण्डी समिति, गुलाबपुरा ओ.पी.बैरवा, आईबीयू सीईओ रामपुरा आगुचा, राम मुरारी, सीएसआर हेड भुवनेश शर्मा, कृषि अधिकारी, कृषि विभाग प्रभु लाल, कृषि अधिकारी, कृषि विभाग रामलाल , नोडल अधिकारी, पशु चिकित्सा विभाग, हुरडा मो. रफीक, कृषि पर्यवेक्षक दूदा राम गुर्जर, रासी सीड्स - क्षेत्रीय फसल प्रबंधक, भीलवाडा जगदीश शर्मा, टीएम रासी सीड्स, भीलवाडा अनुज पाटीदार उपस्थित थे। कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

प्रभु लाल एवं रामलाल ने किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बेहतर फसल पैदावार के लिए मिट्टी के पोषण को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। डॉ. मोह. रफीक ने किसानों को वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन तरीकों के बारे में जानकारी दी, जिसमें टीकाकरण, डीवर्मिंग और मिनरल मिक्सचर का उपयोग शामिल है।

भीलवाड़ा में किसान दिवस का आयोजन कृषि अधिकारी प्रभु लाल आदि की मौजूदगी में किया।

- **भीलवाड़ा जिले में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया**
- **डॉ. मोह. रफीक ने किसानों को वैज्ञानिक पशुधन प्रबंधन तरीकों के बारे में जानकारी दी, जिसमें टीकाकरण, मिनरल मिक्सचर का उपयोग शामिल है। ओ.पी. बैरवा ने किसानों को एफपीओ में सक्रिय रूप से शामिल होने और अलग-अलग एफपीओ से जुडी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया।**

ओ.पी. बैरवा ने किसानों को एफपीओ में सक्रिय रूप से शामिल होने और अलग-अलग एफपीओ से जुडी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। राम मुरारी एवं भुवनेश शर्मा ने समाधान प्रोजेक्ट की प्रगति के बारे में अपडेट शेयर किए और किसानों को उनके लगातार सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

प्रगतिशील किसानों ने सब्जी और फल प्रदर्शनी के जरिए अपनी उपज प्रदर्शित की, जिसकी अतिथियों ने सराहना की। प्रोजेक्ट प्रतिनिधियों ने समाधान प्रोजेक्ट के उद्देश्यों और मुख्य कार्य पर रोशनी डाली, जिसमें क्लाइमेट-स्मार्ट खेती, पशुधन विकास और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया गया।

पोक्सो एक्ट का फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय ने भेजा जेल

सरवाड़। सरवाड़ थाना पुलिस ने बलात्कार एवं पोक्सो एक्ट के मामले में करीब एक साल से फरार चल रहे मुख्य अभियुक्त को गिरफ़्तार किया गया। इस दौरान थानाधिकारी रामपाल शर्मा ने बताया कि नवंबर 2024 में पीड़िता के दादा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 18 नवंबर की रात करीब 12 बजे जब वह उठा तो उसकी नाबालिग पोती घर से गायब थी तथा घर का सामान बिखरा पड़ा था।

वही रिपोर्ट में पीड़ित ने आरोप लगाया कि बबलू पुत्र बहादुर बंजारा ने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसकी नाबालिग पोती का अपहरण कर लिया है वहीं पुलिस ने इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई वहीं लेकिन आरोपी गिरफ़्तारी के डर से फरार हो गया वहीं पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की और टीम ने तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना पर आरोपी बबलू बंजारा उम्र (25) वर्षीय पुत्र बहादुर बंजारा निवासी मोतीनगर (आमली कला) थाना शाहपुरा जिला भीलवाड़ा को गिरफ़्तार कर लिया गया।

वहीं गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है वहीं पुलिस महानिरीक्षक राजेन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मील व पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा के निकटतम सुपरविजन में यह कार्यवाही की गई।

वहीं इस दौरान पुलिस टीम में सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा एएसआई शिवचरण हैड कांस्टेबल कजोड़ मल कांस्टेबल शुभकरण कमलेश कमलेश विरेन्द्र व महिला कांस्टेबल चिन्ता ने अहम भूमिका निभाई है।

परिणय सूत्र में बंधी बालिका वधू बाल विवाह की जंजीरों से मुक्त

जोधपुर, (कासं)। क्रिसमस डे से पहले एक बालिका वधू को बाल विवाह की जंजीरों से मुक्ति मिल गयी। साल 2005 में महज 34 दिन की मासूम उम्र में बाल विवाह की शिकार बालिका वधु सोनिया ने करीब 19 साल तक दंश झेला। अब सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल और प्रयासों से सोनिया का बाल विवाह निरस्त हो गया। जोधपुर पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 के न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने सोनिया के बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया। जिसके साथ ही सोनिया व परिजनों की आंखों से खुशी के आंसु छलक गए। सारथी ट्रस्ट की डॉ.कृति ने अब तक 53 जोड़ो के बाल विवाह निरस्त करवा कर अनूठा रिकॉर्ड बनाया है।

सोनिया का बाल विवाह जोधपुर जिले के ठाामीण क्षेत्र में वर्ष 2005 में हुआ था, जब वह केवल 34 दिन की ही थीं। साल 2022 में गौना होने के बाद ससुराल भेजा गया, लेकिन कुछ अभद्रता के कारण मजबूरन पिता के घर लौटीं । इस पीड़ा के बीच उसे सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी और चाइल्ड एंड वूमन राइट्स एडवोकेट डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में पता चला। वह डॉ. कृति से मिली तथा बाल विवाह से मुक्ति दिलाने की गुहार लगाई। इसके बाद डॉ. कृति ने पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 में बाल विवाह निरस्तीकरण का वाद दायर किया।

- **न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने सुनाया फैसला**
- **काउंसलिंग में सहमति, कोर्ट में बाल विवाह निरस्त का सुनाया फैसला**
- **डॉ. कृति भारती ने 53 बाल विवाह निरस्त कराए, 2200 रुकवाए**

डॉ. कृति भारती ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की। जिसमें दोनों पक्षों की बाल विवाह निरस्त करने पर सहमति बन गई। वर पक्ष के अधिवक्ता प्रकाश विश्नोई का भी सकारात्मक सहयोग रहा। डॉ.कृति ने न्यायालय में पैरवी करते हुए बाल विवाह के तथ्यों और दस्तावेजों को पेश किया। जिस पर पारिवारिक न्यायालय संख्या 1 के न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने सुनवाई कर बाल विवाह निरस्त का फैसला सुनाया। सोनिया को केवल 5 माह की न्यायिक प्रक्रिया में ही बाल विवाह से मुक्ति मिली।

फैसला सुनाते हुए पारिवारिक न्यायालय संख्या-1 के न्यायाधीश सतीश चंद्र गोदारा ने बाल विवाह की कुप्रथा पर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के बचपन, शिक्षा और स्वास्थ्य को छीनने वाला जघन्य कृत्य है। ऐसी कुरीतियों को जड़ से खत्म करने के लिए सभी को आगे आना चाहिए। उन्होंने डॉ.कृति की साहसिक मुहिम की भी प्रशंसा की।

उल्लेखनीय है कि सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने ही देश का पहला बाल विवाह निरस्त करवाया था। अब तक उन्होंने 53 जोड़ों के बाल विवाह निरस्त करवा दिए हैं तथा करीब 2200 से अधिक बाल विवाह रोके हैं। साहसिक मुहिम के लिए वर्ल्ड रिकाड्र्स इंडिया, एशिया बुक और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज है। सीबीएसई ने उनकी मुहिम को कक्षा 11 के पाठ्यक्रम में शामिल किया। डॉ. कृति को टेफ्ड मैगजीन की वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट सूची, बीबीसी की 100 प्रभावशाली महिलाओं की सूची, मारवाड़-मेवाड़ रत्न सहित कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामलों में कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने इन आरोपियों के पास से तीन चोरी के दुपहिया वाहन (बाइक) भी बरामद की हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने के आदि है और नशे की लत के लिए सुनसान इलाकों में खड़े दुपहिया वाहनों की रैकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि हरमाड़ा थाना पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के शातिर बदमाश विकास बुनकर उर्फ विक्की बुनकर (19) निवासी हरमाड़ा जयपुर और अजय राणा (19) निवासी हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से तीन चोरी के दुपहिया वाहन भी बरामद किए गए है।

पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी नशे के आदी हैं और शौक पूरे करने के लिए चोरी की वारदात करते थे। ये पार्किंग और सुनसान स्थानों पर खड़ी बाइक चुराकर गलियों के रास्ते ले जाते थे ताकि सीसीटीवी कैमरों से बच सकें। इसके अलावा आरोपित अजय राणा के खिलाफ पहले भी चोरी व अन्य धाराओं में पांच प्रकरण दर्ज हैं। जिनमें कई मामलों में चार्जशीट पेश की जा चुकी है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है।

अरावली की हत्या के लिए बीजेपी-कांग्रेस नेता जिम्मेदार : आहूजा

अलवर । बीजेपी से निष्कासित पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने अरावली पर्वतमाला के विनाश को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

आहुजा ने कहा कि यदि अरावली की हत्या का दोष तय किया जाए तो उसमें 75 प्रतिशत जिम्मेदारी अशोक गहलोत और 25 प्रतिशत वसुंधरा राजे की है। आहूजा ने जारी विज्ञप्ति में कहा, वसुंधरा राजे भले ही भाजपा की नेता हों, लेकिन उन्होंने भी अपने दोनों कार्यकाल में अवैध खनन, पट्टे और लीज देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जयपुर में बनी कई इमारतों को मान्यता देना भी उसी नीति का हिस्सा रहा, यह अलग विषय हो सकता है लेकिन जिम्मेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने आरोप लगाया कि

ज्ञानदेव आहूजा

- **पूरे अलवर जिले में फैल जाएगा रेगिस्तान, वसुंधरा राजे और गहलोत पर भी आरोप**

अलवर जिले में अरावली की हत्या, अवैध खनन और 52 डैम, झील-बावडियों पर अवैध कब्जों के लिए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और उन्हें संरक्षण देने वाले भंवर जितेंद्र सिंह जिम्मेदार हैं। आहूजा का कहना है कि इन दोनों के संरक्षण में सिलीसेढ़ झील, जयसमंद और अन्य जल स्त्रोतों पर अवैध होटल व कब्जे किए गए और जिले का कोई भी सरोवर नहीं छोडा गया। पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि यदि अरावली को नहीं बचाया गया तो आने वाले 10 वर्षों में राजस्थान के हर जिले में रेगिस्तान फैल जाएगा, और इसका असर दिल्ली, हरियाणा और पंजाब तक पहुंचेगा। आहुजा ने ऐलान किया कि अब वे सरकार के खिलाफ और अरावली को बचाने के लिए आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा जाति, धर्म, हिंदू-मुस्लिम से ऊपर है।

बाघिन पीएन 224 ने देर रात शिकार किया

बूंदी (निसं)। राजस्थान के बाघों की नस्ल बदलने के लिए पहली बार मध्य प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व से लाई गई बाघिन को बूंदी का रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व रास आ रहा है। एनक्लोजर में रहने के दौरान दूसरे ही दिन बाघिन पीएन 224 ने देर रात बेट (पाड़े) का शिकार किया हैं। सीसीएफ सुगनाराम जाट ने बताया कि बाघिन पीएन 224 को सोमवार को रामगढ रिजर्व के सॉफ्ट एनक्लोजर ने रिलीज किया था। वाइल्ड लाइफ जानवर जगह बदलने पर एक दो दिन स्ट्रेस में रहते है। बाघिन पहले दिन थोडी स्ट्रेस में दिखी थी, लेकिन बाद में बाघिन एनक्लोजर में स्वच्छंद होकर घूम रही है। फॉरेस्ट की टीम लगातार मॉनिटरिंग में जुटी हुई है। रामगढ़ लाने से पहले बाघिन ने एमपी के पेंच रिजर्व में शिकार किया था। देर रात बाघिन ने रामगढ़ के एनक्लोजर में शिकार किया है। वो 1 हैक्टेयर के एनक्लोजर में अच्छे से घूम रही है और रेस्ट भी कर रही है।

धोखाधड़ी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने इनामी एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सीएसटी ने पुलिस थाना शास्त्री नगर (उत्तर) में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे आरोपी अनिल कुमार जाट को दस्तयाब कर संबंधित थाने को सुपुर्द किया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) अभिजीत सिंह ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन्स) राहुल प्रकाश के निर्देशन में वांछित व इनामी अपराधियों की धरपकड के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस के चलते सीएसटी ने पुलिस थाना शास्त्री नगर (उत्तर) में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में वांछित चल रहे।

अरावली के अस्तित्व पर संकट, पीएम को पत्र लिखा

भीलवड़ा । भीलवड़ा विधायक अशोक कोठारी ने अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और हाल ही में चर्चा में आई 100 मीटर ऊँचाई संबंधी व्याख्या को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अरावली के अस्तित्व को बचाने हेतु तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र मे विधायक कोठारी ने अरावली को एशिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला और राजस्थान की लाइफलाइन बताते हुए कहा कि यह श्रृंखला थार मरुस्थल के विस्तार को रोकने वाली एक प्राकृतिक दीवार है। जिसकी आयु लगभग 2 से 2.5 अरब वर्ष मानी जाती है। यह पर्वतमाला गुजरात से दिल्ली तक फैली हुई है, जिसमें लगभग 80 प्रतिशत भाग राजस्थान में स्थित है। अरावली राजस्थान की सभ्यता, संस्कृति, जीवन-प्रणाली और पर्यावरणीय संतुलन की मूल आधारशिला रही है। इसी कारण राजस्थान सरकार ने अपने बजट में हरित अरावली विकास योजना के तहत 250 करोड़ की घोषणा की है। उन्होंने चिंता जताई कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई एक व्याख्या के आधार पर 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को अरावली न माने जाने की बात सामने आई है।

- **अरावली की 100 मीटर ऊँचाई संबंधी व्याख्या पर पुनर्विचार की मांग की**

हालांकि माननीय केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री महोदय द्वारा 100 मीटर ऊँचाई की गणना का मापदण्ड पहाड़ के सर्वोच्च शिखर से जमीन के नीचे तक बेस स्ट्रक्चर को ध्यान में रखकर की जाने की बात कही है, लेकिन पर्यावरणविदों का ऐसा अनुमान है कि इस व्याख्या के लागू होने से अरावली क्षेत्र की बहुत सी पहाड़ियाँ कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाएँगी। यदि 100 मीटर से कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को अरावली के दायरे से बाहर कर दिया गया, तो इससे खनन और रियल एस्टेट माफियाओं एवं अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को खुली छूट मिल जाएगी। कोठारी ने पत्र में उल्लेख किया कि राजस्थान में कम ऊँचाई वाली पहाड़ियों को डूंगर, डूंगरी या मगरा कहा जाता है, जो स्थानीय पारिस्थितिकी का अभिन्न अंग हैं। नई व्याख्या के कारण अरावली क्षेत्र की कई पहाड़ियाँ कानूनी संरक्षण से बाहर हो सकती हैं। कोठारी ने कहा कि यदि अरावली कमजोर हुई, तो उत्तर भारत में हीटवेव, जल संकट और धूल भरी आंधियों का प्रकोप और भी अधिक भयावह हो जाएगा।

जयपुर मंडल के स्टेशनों की तस्वीर बदली

जयपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले रेवाड़ी, खैरथल और दौसा रेलवे स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत व्यापक पुनर्विकास किया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से किए गए इन कार्यों का उद्देश्य स्टेशनों को आधुनिक, सुरक्षित, सुविधाजनक और यात्री-अनुकूल बनाना है, जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव मिल सके।

रेवाड़ी रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है, जो दिल्ली, जयपुर और उत्तर भारत के अन्य प्रमुख शहरों को जोड़ता है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का 31.91 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। पुनर्विकास के तहत स्टेशन भवन को पूर्ण रूप से नवीनीकृत किया गया है। सुविधा क्षेत्र को 430 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 1600 वर्ग मीटर किया गया है तथा अलग-अलग प्रवेश और निकास द्वार बनाए गए हैं। स्टेशन भवन के अंदर भारतीय कला और संस्कृति को दर्शाते आकर्षक चित्र बनाए गए हैं और पोर्च का निर्माण किया गया है। अग्रभाग पर प्रकाश व्यवस्था का उन्नयन किया गया है। सर्कुलेटिंग क्षेत्र में यातायात संचालन में सुधार करते हुए हरित पट्टी विकसित की गई है, साथ ही समर्पित पार्किंग, प्रतीक्षा कक्ष और वीआईपी रूम की सुविधा दी गई है। मौजूदा शौचालय ब्लॉकों का आधुनिक फिटिंग के साथ नवीनीकरण किया गया है तथा प्लेटफॉर्म शेल्टरों की जीआई शीट बदली गई है। इसके अतिरिक्त नए आकर्षक बाउंड्री वॉल बनाए गए हैं और 6150 वर्ग मीटर प्लेटफॉर्म सतह का नवीनीकरण किया गया है। स्टेशन पर ट्रेन इन्फॉर्मेशन बोर्ड और कोच इंडिकेशन बोर्ड लगाए गए हैं। दिव्यांगजनों के लिए हेल्प बूथ, विशेष शौचालय, वाटर बूथ, रैम्प, अलग पार्किंग, साइनज और विशेष कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।

- **रेवाड़ी, खैरथल और दौसा रेलवे स्टेशनों का हुआ व्यापक पुनर्विकास**

इसके अलावा स्टेशन पर जीपीएस आधारित घड़ियां, 5 लिफ्ट, 4 एस्केलेटर और फूड प्लाजा का प्रावधान किया गया है। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज भी बनाया जा रहा है। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, महिला एवं बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान किए गए हैं। जल संरक्षण हेतु रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर रिसाइक्लिंग प्लांट और ऊर्जा संरक्षण के लिए रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाया जा रहा है।

खैरथल रेलवे स्टेशन उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल में स्थित है और यह अलवर जिले का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है।